मुंबई विश्वविद्यालय

एम.ए. भाग दो, चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र -16 के लिए निर्धारित शोध विषय

1.	आदिकाल का नामकरण व काल विभाजन का प्रश्न
2.	सिद्ध साहित्य का महत्त्व
3.	नाथ संप्रदाय का प्रदेय
4.	हिंदी महाकाव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान
5.	वीर गाथा काव्य का वैशिष्ट्य
6.	आदिकाल की विशिष्ट रचना: संदेश रासक
7.	अमीर खुसरो का हिंदी साहित्य में प्रदेय
8.	आदिकालीन जैनकाव्य का महत्त्व
9.	आदिकालीन साहित्य में गोरखबानी का स्थान
10.	वीरगाथा काव्य की भाषिक विशेषता
11.	भक्तिकाव्य का उद्भव और विकास
12.	विद्यापति का साहित्यिक प्रदेय
13.	भक्तिकाल की उद्भवकालीन परिस्थितियाँ
14.	भक्तिकाल के प्रमुख आचार्यों का योगदान
15.	भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
16.	कबीर के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
17.	कबीर काव्य के सामाजिक सरोकार
18.	कबीर काव्य में दार्शनिकता और रहस्यवाद
19.	कबीर की भक्तिभावना और उसकी व्याप्ति
20.	कबीर काव्य का भाषिक अनुप्रयोग और शिल्प
21.	कबीर काव्य की प्रासंगिकता
22.	कबीर की भक्तिभावना और उसकी व्याप्ति
23.	कबीर काव्य का भाषिक अनुप्रयोग और शिल्प
24.	कबीर काव्य की प्रासंगिकता
25.	सूफ़ी काव्यधारा और जायसी
26.	जायसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
27.	जायसी का महाकाव्यात्मक लेखन
28.	जायसी कृत पद्मावत का महाकाव्यत्व
29.	जायसी रचित प्रबंध काव्यों का महत्त्व
30.	पद्मावत का प्रेम दर्शन-
31.	पद्मावत में चित्रित लोक संस्कृति
32.	पद्मावत के प्रमुख पुरुष पात्र
33.	पद्मावत के प्रमुख नारी पात्र
34.	जायसी का रहस्यवाद और दार्शनिक चिंतन

35.	जायसी का श्रृंगार वर्णन और विरह भावना-
36.	पद्मावत में ऐतिहासिकता और समन्वयकल्प
37.	जायसी की भाषा और शिल्पगत प्रयुक्तियाँ
38.	जायसी का साहित्यिक प्रदेय
39.	पद्मावत की प्रासंगिकता
40.	कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास
41.	सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
42.	सूर के काव्य में भक्ति और दर्शन
43.	सूर का भ्रमरगीतसार और उसका प्रतिपाद्य
44.	भ्रमरगीतसार परंपरा में सूर कृत भ्रमरगीत सार का महत्त्व
45.	सूर काव्य में गीत और संगीत
46.	सूर का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
47.	सूर का काव्यात्मक प्रदेय
48.	सूर काव्य की प्रासंगिकता
49.	कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान
50.	रामकाव्यधारा में गोस्वामी तुलसीदास का आगमन
51.	तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
52.	रामचरितमानस का महाकाव्यत्व
53.	तुलसी के काव्य में भक्ति और दर्शन
54.	तुलसीदास की समन्वय भावना
55.	तुलसीदास के काव्य में सामाजिक संपृक्ति और लोकधर्म
56.	रामचरितमानस के प्रमुख पुरुष पात्र
57.	रामचरितमानस के प्रमुख नारी पात्र
58.	तुलसीदास के काव्य में रामराज्य की संकल्पना
59.	तुलसीदास का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
60.	तुलसीदास का साहित्यिक प्रदेय
61.	तुलसीदास की प्रासंगिकता
62.	रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास का स्थान
63.	हिंदी साहित्य में तुलसीदास का स्थान
64.	रीतिकाव्य परंपरा में भूषण का आगमन
65.	रीतिकाव्य का प्रमुख वैशिष्ट्य
66.	कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
67.	वीरकाव्य परंपरा और कवि भूषण

68.	भूषण के काव्य का वैशिष्ट्य
69.	रीतिकाव्य में भूषण का स्थान
70.	भक्तिकाव्य परंपरा में मीराबाई का आगमन
71.	मीराबाई के जीवन व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
72.	मीराबाई के काव्य में भक्ति और चिंतन
73.	मीराबाई का साहित्यिक प्रदेय
74.	नारीवाद के संदर्भ में मीरा काव्य की विद्रोही चेतना-
75.	भक्तिकाव्य में मीराबाई का अवदान
76.	भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता और मीराबाई
77.	हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्तिकाव्य का महत्त्व
78.	हिंदी साहित्य के इतिहास में रीतिकाव्य का महत्त्व
79.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रस सिद्धांत का महत्त्व
80.	रस सिद्धांत विभिन्न व्याख्याएँ :
81.	साधारणीकरण और रस सिद्धांत
82.	रस सिद्धांत के आधुनिक व्याख्याता
83.	रस सिद्धांत की प्रासंगिकता
84.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में अलंकार सिद्धांत का महत्त्व
85.	अलंकार का स्वरूप और प्रभेद
86.	प्रमुख अलंकारवादी आचार्य
87.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रीति सिद्धांत का महत्त्व
88.	रीति सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
89.	प्रमुख रीतिवादी आचार्य
90.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व
91.	ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
92.	प्रमुख ध्वनिवादी आचार्य
93.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में औचित्य सिद्धांत का महत्त्व
94.	औचित्य सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
95.	प्रमुख औचित्यवादी आचार्य
96.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत
97.	आचार्य शुक्ल की आलोचनात्मक कृतियों का परिचय
98.	हिंदी आलोचना को आचार्य रामचंद्र शुक्ल का प्रदेय
99.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल और भक्तिकाव्य
100.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल और छायावाद

101.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की सैद्धांतिक आलोचना
102.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना
103.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के समीक्षा सिद्धांत
104.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और कबीर
105.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ऐतिहासिक लेखन
106.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का समीक्षात्मक प्रदेय
107.	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के आलोचना सिद्धांत
108.	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और आधुनिक साहित्य
109.	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और छायावाद
110.	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी का आलोचनात्मक अवदान
111.	डॉ रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धांत.
112.	डॉ रामविलास शर्मा की व्यवहारिक आलोचना
113.	डॉ रामविलास शर्मा कि निराला से सम्बन्धित आलोचना
114.	डॉ रामविलास शर्मा का समीक्षात्मक प्रदेय
115.	डॉ नामवर सिंह के समीक्षा सिद्धांत.
116.	डॉ नामवर सिंह और कविता के नए प्रतिमान.
117.	डॉ नामवर सिंह का समीक्षात्मक प्रदेय.
118.	प्लेटो के जीवन, यव्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिच
119.	प्लेटो के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
120.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में प्लेटो का महत्त्व
121.	अरस्तू के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
122.	अरस्तू के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
123.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में अरस्तू का महत्त्व
124.	लोंजाइनस के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
125.	लोंजाइनस के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
126.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस का महत्त्व
127.	आभिजात्यवाद का स्वरूप वैशिष्टय
128.	आभिजात्यवाद के आधार पर होमर के महाकाव्यों का विश्लेषण
129.	स्वछंदतावाद का स्वरूप वैशिष्टय
130.	स्वछंदतावाद के आधार पर किसी काव्यकृति का विश्लेषण
131.	मार्क्सवाद के प्रमुख सिद्धांत
132.	प्रमुख मार्क्सवादी विचारक
133.	मार्क्सवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण

134.	मैथ्यू आर्नल्ड के काव्य सिद्धांत
135.	मैथ्यू आर्नल्ड का समीक्षात्मक प्रदेय
136.	टी.एस.इलियट के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
137.	इलियट के समीक्षा सिद्धांत
138.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में इलियट का महत्त्व
139.	आई.ए.रिचर्ड्स के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
140.	आई.ए. रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत
141.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में आई.ए.रिचर्ड्स का योगदान
142.	मनोविश्लेषणवाद का स्वरूप वैशिष्टय
143.	मनोविश्लेषणवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
144.	मनोविश्लेषणवाद के प्रमुख चिंतक
145.	संरचनावाद का स्वरूप वैशिष्ट्य
146.	प्रमुख संरचनावादी विचारक
147.	संरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
148.	उत्तर आधुनिकतावाद का स्वरूप वैशिष्ट्य
149.	प्रमुख उत्तर आधुनिकतावादी चिंतक
150.	उत्तर आधुनिकता और विसंरचनावाद
151.	विसंरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
152.	डॉ नगेन्द्र के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
153.	डॉ नगेंद्र के समीक्षा सिद्धांत.
154.	भारतीय काव्यशास्त्र को डॉ नगेंद्र की देन.
155.	विश्व काव्यशास्त्र की अवधारणा और डॉ नगेन्द्र
156.	फांस उपन्यास में किसानों की समस्याएँ
157.	अकाल में उत्सव उपन्यास में किसान समस्याएँ
158.	नई सदी की हिंदी कहानियों में किन्नर विमर्श
159.	नई सदी की उर्दू कहानियों में सामाजिक समस्याएँ
160.	21 वीं सदी कि मराठी कहानियों में किसान
161.	उपन्यासकार यूं. आर. अनंतमूर्ति
162.	ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में आदिवासी चेतना
163.	मछुआरे (पिल्लै तकषी शिवशंकर) उपन्यास में मछुआरे समुदाय का यथार्थ
164.	बारोमास उपन्यास में किसान यथार्थ
165.	किन्नर कथा उपन्यास में किन्नर समस्याएँ
166.	आचार्य नाटक में समकालीन साहित्यिक यथार्थ (इंदिरा दागी)

167.	कुच्ची का कानून में स्त्री विमर्श
168.	सूर बंजारन उपन्यास में स्त्री विमर्श
169.	यहीं कहीं था घर उपन्यास में स्त्री विमर्श
170.	कुफ्र उपन्यास में स्त्री विमर्श
171.	सलाम कहानी संग्रह में दलित चेतना
172.	नये समय का कोरस उपन्यास में स्त्री विमर्श
173.	नई सदी के भारतीय साहित्य की चुनौतियाँ
174.	अपना मोर्चा उपन्यास: एक अध्ययन
175.	21वीं सदी के हिंदी नाटक एवं सामाजिक समस्याएँ
176.	महुआ चरित उपन्यास में स्त्री विमर्श
177.	आधुनिक कविता कि पृष्ठभूमि, उद्भव एवं वर्गीकरण
178.	छायावाद की विशेषता का प्रतिद्य 'कामायनी'
179.	कामायनी का दार्शनिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष
180.	कामायनी कि चरित्र योजना
181.	कामायनी की प्रतीकात्मकता
182.	कामायनी का काव्य रूप
183.	कामायनी का महाकाव्यत्व
184.	कामायनी का काव्य शिल्प
185.	जयशंकर प्रसाद एवं उनकी कामायनी
186.	कामायनी का दर्शन
187.	कामायनी के स्त्री पात्र
188.	आधुनिक कविता और 'कामायनी'
189.	कामायनी का ऐतिहासिक तथा मनोवैज्ञानिक आधार
190.	आधुनिक हिंदी काव्य में जयशंकर प्रसाद का महत्त्व
191.	छायावादोत्तर काव्य और महत्त्वपूर्ण वाद
192.	प्रयोगवाद और अज्ञेय
193.	अज्ञेय की काव्यानुभूति
194.	अज्ञेय की काव्यशिल्प-यात्रा और उनका काव्य-
195.	आँगन के पार द्वार संग्रह की कविताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन
196.	आँगन के पार द्वार काव्य संग्रह का शिल्पगत विशेषण
197.	असाध्य वीणा का कथ्य एवं शिल्प
198.	लम्बी कविताएँ और 'असाध्य वीणा'
199.	छायावादोत्तर हिंदी कविता में अज्ञेय का स्थान एवं महत्त्व

200.	प्रगतिवाद और साहित्य पर उसका प्रभाव
201.	नई कविता की विशेषताएँ
202.	मुक्तिबोध का रचना-संसार और उनका काव्य-शिल्प
203.	'अँधेरे में' कविता का कथ्य एवं उसका महत्त्व
204.	'अँधेरे में' कविता का शिल्पगत वैशिष्ट्य
205.	लम्बी कविताएँ और 'अँधेरे में'
206.	ब्रम्हराक्षस कि प्रतीकात्मकता
207.	ब्रह्मराक्षस का कथ्य
208.	विवेचन कथ्यात्मक का कविता गलती भूल
209.	मुक्तिबोध और उनकी विचारधारा
210.	नई कविता और मुक्तिबोध
211.	लम्बी कविताएँ और उनका रचना-विधान
212.	लोकसाहित्य : स्वरूप विवेचन तथा वर्गीकरण
213.	लोकसाहित्य तथा लोकवार्ता
214.	लोकवार्ता और लोकगीत
215.	लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन
216.	लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
217.	लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
218.	लोकगीत (राज्य किसी एकविशेष के संदर्भ में)
219.	संस्कार गीत
220.	ऋतु गीत
221.	त्यौहार संबंधी गीत
222.	लोकगाथा सिद्धांत,परम्परा एवं स्वरूप
223.	लोकगाथा (किसी एक लोकगाथा का विशेष परिचय)
224.	लोकनाट्य परंपरा तथा वर्तमान स्थिति
225.	लोकनाट्य (किसी एक राज्य के लोकनाट्य का विशेष परिचय)
226.	भारत के लोकनाट्य
227.	महाराष्ट्र का हिंदी लोकनाट्य
228.	प्रकीर्ण लोक साहित्य
229.	लोकसाहित्य और अमीर खुसरो
230.	लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का चित्रण (किसी एक राज्य के विशेष सन्दर्भ में) ,
231.	प्रवासी साहित्य : विकास स्वरूप ,अवधारणा एवं

232.	स्त्री कहानियों का स्त्री पाठ (एक कहानी संग्रह)
233.	नारीवादी उपन्यास का यथार्थ (कोई एक लेखिका)
234.	नारीवादी उपन्यासों में पुरुषसत्तात्मक व्यवस्था (कोई एक पुस्तक)
235.	अस्तित्व बोध के दायरे में नारीवादी कहानियाँ (कोई एक पुस्तक)
236.	आदिवासी कहानियों में आदिवासी जीवन (कोई एक रचना)
237.	आदिवासी उपन्यासों में आदिवासी यथार्थ (कोई एक रचना)
238.	आदिवासी उपन्यास में पर्यावरण की समस्याएँ (एक रचना विशेष)
239.	आदिवासी कहानियों में शोषण का रूप (एक रचना विशेष / एक दशक)
240.	अस्मितामूलक अख्यान और दलित आत्मकथा का यथार्थ (एक रचना विशेष)
241.	मेरा बचपन मेरे कंधो पर : दलित जीवन
242.	जख्म हमारे का अनुशीलन
243.	शुशीला टाकभोरे की कहानियों में स्त्री जीवन
244.	जूठन के विविध संदर्भों का अनुशीलन
245.	मुर्दहिया का सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश और दलित यथार्थ ,
246.	दलित जीवन की कहानियों में दलित यथार्थ: (कोई भी १०-१२ कहानियों के आधार पर)
247.	वीरांगना झलकारी बाई का अनुशीलन
248.	दलित कहानियों में दलित मुक्ति के प्रश्न
249.	भारतीय दलित आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास
250.	श्रृंखला की कड़ियाँ स्त्री मुक्ति का पंचनामा :
251.	डार से बिछुड़ी का विवेचन
252.	छिन्नमस्ता और स्त्री शोषण का यथार्थ
253.	अन्या से अनन्या तक : नैतिकताओं पर प्रभाव
254.	कठगुलाब में स्त्री की दुनिया
255.	आख़िरी कलाम : विविध संदर्भ
256.	कितने पाकिस्तान : अनुशीलन
257.	हमारा शहर उस बरस : सामाजिक शैक्षिक यथार्थ
258.	अल्मा कबुतरी में स्त्री जीवन
259.	सेज पर संस्कृत का यथार्थ
260.	एक ब्रेक के बाद में भूमंडलीकृत परिवेश का विवेचन
261.	'उसके हिस्से की धूप' में स्त्री विमर्श
262.	'आवां' के स्त्री पात्रों का अनुशीलन
263.	'बेघर' में स्त्री का सामाजिक मनोविज्ञान

264.	'गोदान' का किसान और वर्तमान यथार्थ
265.	'जंगल जहाँ शुरू होता है': विवेचन
266.	'सलाम' कहानी संग्रह में दलित संवेदनाएँ
267.	'विपात्र' का विवेचन
268.	मुक्तिबोध की कहानियाँ और लंबी कविताओं में अंतर्संबंध
269.	बूँद और समुद्र' में चित्रित मध्यवर्ग
270.	'मैला आँचल' का अनुशीलन
271.	'अनामदास का पोथा' का विवेचन
272.	'शेखर एक जीवनी' का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण (भाग एक-दो)
273.	'परख' का मनोविश्लेषणात्मक विवेचन
274.	दूरदर्शन के विज्ञापनों का सामाजिक प्रभाव
275.	दूरदर्शन का धार्मिक एवं सामाजिक प्रभाव
276.	दूरदर्शन और शैक्षिक परिवेश
277.	दूरदर्शन की भाषा का बदलता स्वरूप
278.	सामाजिक विकास में जनसंचार माध्यमों का महत्त्व
279.	व्हाट्सअप का सामाजिक प्रभाव
280.	फेसबुक का सामाजिक प्रभाव
281.	जनसंचार माध्यमों में स्त्री का यथार्थ
282.	रेडियों का सामाजिक प्रभाव
283.	पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका और वर्तमान स्थिति
284.	कार्पोरेट जगत का जनमाध्यमों में प्रयोग चित्रण एवं प्रसारण यथार्थ ,
285.	जनमाध्यमों में मध्यवर्ग की भूमिका
286.	जनमाध्यमों में वंचित वर्गों का यथार्थ
287.	जनमाध्यमों में स्त्री प्रतिमा:आकांक्षा और यथार् , थ स्वप्न
288.	जनमाध्यमों में गेम और बच्चों का मनोविज्ञा (खेल)न
289.	कार्टून का बच्चों पर प्रभाव
290.	अस्मिता के प्रश्नों पर जनमाध्यमों की भूमिका
291.	जनमाध्यमों और बदलता सांस्कृतिक परिवेश
292.	धार्मिक चैनलों का सामाजिक प्रभाव
293.	धार्मिक कार्यक्रमों का सांस्कृतिक प्रभाव
294.	जनमाध्यमों में हाशिए के वर्ग का विलोम
295.	सिनेमा का उद्भव और विकास
296.	भारतीय सिनेमा का उद्भव और विकास

297.	भारतीय मूक सिनेमा
298.	दादा साहेब फाल्के का भारतीय सिनेमा को अवदान
299.	बाबूराव पेंटर का भारतीय सिनेमा को अवदान
300.	व्ही. शांताराम और भारतीय सिनेमा
301.	प्रभात स्टुडियो का भारतीय सिनेमा को योगदान
302.	मदन थियेटर और भारतीय सिनेमा
303.	अर्देशीर ईरानी का भारतीय सिनेमा को अवदान
304.	सोहराब मोदी का भारतीय सिनेमा को अवदान
305.	पृथ्वीराज कपूर का भारतीय सिनेमा को अवदान
306.	फिल्मकार बिमल राय
307.	न्यू थियेटर और भारतीय सिनेमा
308.	सागर मूवीटोन का भारतीय सिनेमा में योगदान
309.	रणजीत स्टुडियो का भारतीय सिनेमा में योगदान
310.	हिंदी सिनेमा और बॉम्बे टॉकिज
311.	हिंदी सिनेमा को के आसिफ़ का योगदान.
312.	हिंदी सिनेमा को कमाल अमरोही का योगदान
313.	सिनेमा को जब्बार पटेल का योगदान
314.	हिंदी सिनेमा को गोविंद निहलानी का योगदान
315.	हिंदी सिनेमा को सई परांजपे का योगदान
316.	हिंदी सिनेमा को नंदिता दास का योगदान
317.	हिंदी सिनेमा को मनमोहन देसाई का योगदान
318.	हिंदी सिनेमा को प्रकाश मेहरा का योगदान
319.	हिंदी सिनेमा को रमेश सिप्पी का योगदान
320.	हिंदी सिनेमा को सुभाष घई का योगदान
321.	हिंदी सिनेमा को ऋषिकेश मुख़र्जी का योगदान
322.	हिंदी सिनेमा को बासू भट्टाचार्य का योगदान
323.	हिंदी सिनेमा को राज कपूर का योगदान
324.	हिंदी सिनेमा को बीचोपड़ा का योगदान.आर.
325.	हिंदी सिनेमा को महबूब खान का योगदान
326.	हिंदी सिनेमा को यश चोपड़ा का योगदान
327.	हिंदी सिनेमा को रामानंद सागर का योगदान
328.	हिंदी सिनेमा को एलप्रसाद का योगदान.वी.
329.	हिंदी सिनेमा को सत्यजीत राय का योगदान

330.	हिंदी सिनेमा को मृणाल सेन का योगदान
331.	हिंदी सिनेमा को श्याम बेनेगल का योगदान
332.	हिंदी सिनेमा को बासू चॅटर्जी का योगदान
333.	हिंदी सिनेमा को ताराचंद बडजात्या का योगदान
334.	हिंदी सिनेमा को नितीन बोस का योगदान
335.	हिंदी सिनेमा को प्रकाश झा का योगदान
336.	हिंदी सिनेमा को तपन सिन्हा का योगदान
337.	हिंदी सिनेमा को देवानंद का योगदान
338.	हिंदी सिनेमा को विजयानंद का योगदान
339.	हिंदी सिनेमा को चेतनआनंद का योगदान
340.	हिंदी सिनेमा को मनोज कुमार का योगदान
341.	हिंदी सिनेमा को जेदत्ता का योगदान.पी.
342.	दो बीघा ज़मीन एक मूल्यांकन -
343.	मुग़लएक मूल्यांकन - आज़म.ए-
344.	मदर इंडिया एक मूल्यांकन -
345.	पाकीज़ा एक मूल्यांकन -
346.	देवदास - (बिमल राय)एक मूल्यांकन
347.	महल एक मूल्यांकन -
348.	धरती के लाल एक मूल्यांकन -
349.	दुनिया न माने एक मूल्यांकन -
350.	यहूदी -एक मूल्यांकन
351.	मधुमती एक मूल्यांकन -
352.	सत्यकाम एक मूल्यांकन -
353.	चुपके चुपके एक मूल्यांकन -
354.	शोले एक मूल्यांकन -
355.	आवारा एक मूल्यांकन -
356.	मेरा नाम जोकर एक मूल्यांकन -
357.	जागते रहो मूल्यांकन एक -
358.	श्री. 420 एक मूल्यांकन -
359.	उपकार एक मूल्यांकन -
360.	पूरबएक मूल्यांकन - पश्चिम-
361.	शोर एक मूल्यांकन -
362.	रोटी कपड़ा और मकान एक मूल्यांकन -

363.	शतरंज के खिलाड़ी एक मूल्यांकन -
364.	सद्गति एक मूल्यांकन -
365.	उपहार एक मूल्यांकन -
366.	खिलौना एक मूल्यांकन -
367.	जाने भी दो यारो एक मूल्य -ांकन
368.	अर्थ एक मूल्यांकन -
369.	स्पर्श एक मूल्यांकन -
370.	आक्रोश एक मूल्यांकन -
371.	अमिताभ बच्चन और हिंदी सिनेमा
372.	नसीरुद्दीन शाह और हिंदी सिनेमा
373.	प्राण और हिंदी सिनेमा
374.	ओम पुरी और हिंदी सिनेमा
375.	दिलीपकुमार और हिंदी सिनेमा
376.	अपर्णा सेन और हिंदी सिनेमा
377.	मधुबाला और हिंदी सिनेमा
378.	नर्गिस और हिंदी सिनेमा
379.	दुर्गा खोटे और हिंदी सिनेमा
380.	नूतन और हिंदी सिनेमा
381.	मीना कुमारी और हिंदी सिनेमा
382.	गुरु दत्त और हिंदी सिनेमा
383.	सुरैय्या और हिंदी सिनेमा
384.	लता मंगेशकर और हिंदी सिनेमा
385.	आशा भोसले और हिंदी सिनेमा
386.	मोहम्मद रफ़ी और हिंदी सिनेमा
387.	किशोर कुमार और हिंदी सिनेमा
388.	मुकेश और हिंदी सिनेमा
389.	मन्ना डे और हिंदी सिनेमा
390.	सचिनदेव बर्मन और हिंदी सिनेमा
391.	गुलज़ार और हिंदी सिनेमा
392.	जावेद अख्तर और हिंदी सिनेमा
393.	हेमंत कुमार और हिंदी सिनेमा
394.	सलिल चौधरी और हिंदी सिनेमा
395.	रवी और हिंदी सिनेमा

396.	नौशाद और हिंदी सिनेमा
397.	अनुवाद कला
398.	अनुवाद का महत्त्व और आयाम
399.	अनुवाद और भाषा
400.	अनुवाद तकनीक
401.	साहित्यिक अनुवाद
402.	व्यावहारिक अनुवाद
403.	अनुवाद और राजभाषा
404.	अनुवाद प्रक्रिया तथा अनुवाद तकनीक
405.	अनुवाद एक पुन: सृजन
406.	नाटक और अनुवाद
407.	कविता और अनुवाद
408.	उपन्यास और अनुवाद
409.	कहानी और अनुवाद
410.	निबंध और अनुवाद
411.	विज्ञान और अनुवाद
412.	इतिहास और अनुवाद
413.	जनसंचार और अनुवाद
414.	शिक्षा और अनुवाद
415.	अनुवाद और व्यापार
416.	अनुवाद का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
417.	अनुवाद का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
418.	लोकोक्तियाँ और मुहावरों का अनुवाद
419.	अनुवाद की समस्याएँ
420.	अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार
421.	अनुवादक की योग्यताएँ
422.	अनुवाद के प्रमुख भेद और उनके प्रमुख उदाहरण
423.	भारतेन्दु युगीन कविता की विशेषता
424.	द्विवेदी युगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना
425.	छायावादी काव्य का वैशिष्ट्य
426.	छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना
427.	प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
428.	प्रेमचंद युगीन उपन्यासों की विशेषता

429.	प्रेमचदोत्तर उपन्यासों की विशेषता
430.	समकालीन हिंदी उपन्यास
431.	नई कहानी की विशेषताएँ
432.	समकालीन कहानी की विशेषताएँ
433.	प्रसाद पूर्व हिंदी नाटक
434.	प्रसाद युगीन हिंदी नाटक
435.	प्रसादोत्तर हिंदी नाटक
436.	समकालीन हिंदी नाटक
437.	शुक्ल युगीन हिंदी निबंधों की विशेषता
438.	शुक्लोत्तर हिंदी निबंधों की विशेषता
439.	समकालीन हिंदी निबंधों की विशेषताएँ
440.	हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास
441.	समकालीन हिंदी आत्मकथा की विशेषताएँ
442.	हिंदी संस्मरण और स्मृति की रेखाएं
443.	समकालीन हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ
444.	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रयुक्त हिंदी
445.	वैश्विक परिदृश्य में हिंदी
446.	बाजारवाद और हिंदी
447.	हिंदी की संवैधानिक स्थिति
448.	हिंदी में रोजगार की संभावनाएं
449.	सूचना प्रौद्यौगिकी और हिंदी
450.	सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग

सूचना -

1. इन मानक विषयों के अतिरिक्त दूसरे विषयों पर भी विद्यार्थी अपने शोध निर्देशक के परामर्श से प्रकल्प-विषय का चयन कर सकते हैं।
2. विद्यार्थी किसी कृति का हिंदी अनुवाद मूल लेखक की अनुमति से कर सकते हैं
3. प्रकल्प की पृष्ठ संख्या 60 से 80 के मध्य होनी चाहिए।
4. विद्यार्थी यदि प्रकल्प का टंकण करते हैं तो यूनिकोड मंगल फॉण्ट में टंकण करें और फॉण्ट का आकर 14 तथा 1.5 का स्पेस रखें ।
5. विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया का पालन करते हुए अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची देनी होगी

****